चले गये सतगुरू कौन से जहान में भजन लिरिक्स

चले गये सतगुरू,
कौन से जहान में,
रहता है कैसे शिष्य,
गुरू बिन जहान में,
डुडंता फिरूं उन्हें मैं,
अब कहां कहां में,
चले गए सतगुरू,
कौन से जहान में।bd।

तर्ज – छुप गया कोई रे।

गलि कुचे डुंड फिरा,
पाया पता ना,
चले गये कौंन देस,
हमको पता ना,
छोड़ मझधार फिर भी,
रखा ख़्याल है,
चले गए सतगुरू,
कौन से जहान में।bd।

श्यामा श्याम रटते रटते,
जीवन की शाम आई,
अन्तं समय में मेरे,
यही गंगा काम आई,
'धसका' को पागल,
बनाया इस जहांन में,
चले गए सतगुरू,
कौन से जहान में।bd।

चले गये सतगुरू,
कौन से जहान में,
रहता है कैसे शिष्य,
गुरू बिन जहान में,
डुडंता फिरूं उन्हें में,
अब कहां कहां में,
चले गए सतगुरू,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

कौन से जहान में।bd।

।श्री हरिदास।

गायक / प्रेषक – धसका जी पागल।
07206526000

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com